

Student Name - Roll No - 642501 Subject - GENERAL STUDIES PAPER-I Total Score : 178.00

SrNo	1) Q.1 (38.00)	2) Q.2 (38.00)	3) Q.3 (38.00)	4) Q.4 (38.00)	5) Q.5 (38.00)	6) Q6.a (19.00)	7) Q6.b (19.00)	8) Q6.c (19.00)	9) Q.7 (38.00)
1	0.00	0.00	0.00	18.00	18.00	11.00	9.00	0.00	18.00

10) Q.8 (38.00)	11) Q.9 (38.00)	12) Q.10 (38.00)	13) Q.11 (38.00)	14) Q12.a (6.00)	15) Q12.b (10.00)	16) Q12.c (6.00)	17) Q12.d (10.00)	18) Q12.e (4.00)	19) Q13.a (4.00)
18.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

20) Q13.b (8.00)	21) Q13.c (6.00)	22) Q13.d (8.00)	23) Q13.e (10.00)	24) Q14.a (6.00)	25) Q14.b (8.00)	26) Q14.c (8.00)	27) Q14.d (8.00)	28) Q14.e (6.00)	29) Q15.a (6.00)
0.00	0.00	0.00	0.00	6.00	8.00	8.00	8.00	6.00	6.00

30) Q15.b (8.00)	31) Q15.c (8.00)	32) Q15.d (8.00)	33) Q15.e (6.00)
7.00	8.00	8.00	6.00



For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

B P S C

इन हाशियों में
उम्मीदवार कुछ
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

वास्तविक उत्पादन
195
163
186
284
195
231

$$3. पादन्त = 2.10$$

अपाज = 255

$$\frac{5-210}{210} \times 100$$

500

में वास्तविक अ.पा.न

$$= \left(\frac{195 - 144}{144} \right) \times 100$$

35.41 m/s

$$= \left(\frac{163 - 227}{227} \right) \times 100$$
$$= - \underline{28.19} \%.$$

ID: 27721 - 5/30/2023 1:03:52 PM

ID: 27720 - 5/29/2023 1:16:06 PM

ID: 27715 - 5/21/2023 1:13:19 PM

ID: 27717 - 5

ID: 27719 - 5  Exam

ID: 27716 - 6/2/2023 9:10:52 PM

ID: 27729 - 4/18/2023 1:08:32 PM

ID: 27713 - 5/23/2023 11:58:38 AM

More Study Material Please



Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

1/23/2023 11:58:38 AM

Material Please Visit www.pearsoncmg.com

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

बि० लो० से० आ०

BPSC

स पृष्ठ पर नहीं लिखें

WRITE ON THIS PAGE

Examdhara
BPSC | BPSSC | CSBC



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस सीट पर
केवल
प्रश्न संख्या
लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin.

वि० लो० से० आ०

1

BPSC

इस सीट पर
केवल
प्रश्न संख्या
लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

रविवार - 11/11

14.

साल	लक्ष्य उत्पादन	वास्तविक उत्पादन
2001-02	144	195
2002-03	227	163
2003-04	125	186
2004-05	210	284
2005-06	255	195
2006-07	295	231

(क) 2004-2005 में लक्षित उत्पादन = 210
 2005-2006 में लक्षित उत्पादन = 255
 प्रतिशत परिवर्तन = $\left(\frac{255-210}{210} \right) \times 100$

✓ 6 Q14.a

प्रतिशत परिवर्तन = 21.45%

(ख) लक्ष्य उत्पादन के संबंध में वास्तविक उत्पादन
 का प्रतिशत,
 2001-02 में, प्रतिशत = $\left(\frac{195-144}{144} \right) \times 100$
 = 35.41 %
 2002-03 में, प्रतिशत = $\left(\frac{163-227}{227} \right) \times 100$
 = - 28.19 %



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27765 - 5/31/2023 1:05:44 PM

इस स्थिति में
अपना संकेत
लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin.

बि. लो. से आ

2

BPSC

इस स्थिति में
उम्मीदवार को
एक स्थिति
में लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.
Enter
quest
number
in this
margin.

$$2003-04 \text{ में, प्रतिशत} = \left(\frac{186-125}{125} \right) \times 100$$

$$= \frac{61}{125} \times 100$$

$$= 48.8 \%$$

$$2004-05 \text{ में, प्रतिशत} = \left(\frac{284-210}{210} \right) \times 100$$

$$2005-06 \text{ में, प्रतिशत} = \left(\frac{35-23}{23} \right) \times 100$$

$$= \frac{12}{23} \times 100 = 52.17\%$$

$$2006-07 \text{ में, प्रतिशत} = \left(\frac{231-295}{295} \right) \times 100$$

$$= -21.69 \%$$

✓ 8 214.b कुलित अर्थात् अपादन के संख्या में वास्तविक अपादन का प्रतिशत वर्ष 2003-04 की अवधि में उच्चतम था।

$$(ii) औसत वास्तविक अपादन$$

$$= \frac{195 + 163 + 186 + 284 + 195 + 231}{6}$$

$$= 209$$

वास्तविक अपादन > औसत अपादन

$$2004-05 \text{ में, } 284 \text{ तथा}$$

$$2006-07 \text{ में, } 231 \text{ था}$$

इसलिए वर्षों की कुल संख्या = 2



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27765 - 5/31/2023 1:05:44 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस खंड में
उम्मीदवार को
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

इस खंड में
नहीं लिखें।
उम्मीदवार को
न लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin.

वि. लो. से आ

3

BPSC

इस खंड में
उम्मीदवार को
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

वास्तविक उत्पादन < औषट उत्पादन

2001-02 में, 195

2002-03 में, 163

2003-04 में, 186

2005-06 में, 195

ये 4 वर्षों की कुल संख्या = 4

✓ 8 Q14.C उत्पादन = $\frac{2}{4}$

अनुपात = 1:2

(य)

वर्ष

अभिन्न उत्पादन

वास्तविक उत्पादन

2002-03

227

163

2005-06

255

195

2006-07

295

231

योग

777

589

अनुपात = $\frac{777}{589}$

अनुपात = 777:589 A

✓ 8 Q14.d



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27765 - 5/31/2023 1:05:44 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

BPSC

किसी लोको से आने

उप कनिष्ठ व
उपनिष्ठाका श्रेणी
के निर्णय
Candidate
should not
write in the
margin.

Enter only
question
number in
this
margin.

(क्र०)	साल	लक्षित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन
	2002-03	227	163
	2005-06	255	195
	योग	482	358

लक्षित उत्पादन - वास्तविक उत्पादन
 $= 482 - 358 = 124$

अंतर = 124 अंतर = 124 टना

15.

साल	प्रति व्यक्ति आय (₹ में)	राष्ट्रीय आय (₹ 100 करोड़ में)
1951	238	90
1961	328	152
1971	674	397
1981	1630	1224
1991	4933	4726

कु. 1951 में प्रति व्यक्ति आय ₹ = ₹ 238
 1991 में प्रति व्यक्ति आय = ₹ 4933

प्रतिशत वृद्धि = $\frac{(4933 - 238)}{238} \times 100$
 $= 1972.68\%$



लिखें वह
अंक सही
तराई।
Scribe
did not
in this
margin.

इस प्रश्न
के अंक
अंक सही
तराई।
Scribe
did not
in this
margin.

विशेष लोग से आ

5

BPSC

इस प्रश्न के
अंक सही
तराई।
Scribe
did not
in this
margin.

(ख.) 1961 में प्रति व्यक्ति आय = 328
1971 में प्रति व्यक्ति आय = 674
वर्षावर्षिक वृद्धि दर = $\left(\frac{674 - 328}{328} \right) \times 100$
= 105.78%

✓ 7 215.b

(ग.) 1981 के दौरान राष्ट्रीय की जनसंख्या
= $\frac{1981 के दौरान राष्ट्रीय आय}{1981 के दौरान प्रति व्यक्ति आय}$
= $\frac{122400000000}{1630}$

1981 की
जनसंख्या = 750920245.348

✓ 8 215.c

(घ.) 1991 की जनसंख्या = 750920245.398
1991 की जनसंख्या = $\frac{1991 के दौरान राष्ट्रीय आय}{1991 के दौरान प्रति व्यक्ति आय}$
= $\frac{472600000000}{4933}$

1991 की
जनसंख्या = 958037705.25

 Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27796 - 6/4/2023 3:19:02 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

एक लॉग
में केवल
एक प्रश्न
लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin

वि. लो. से आ

6

BPSC

एक लॉग
में केवल
एक प्रश्न
लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin

1991-1991 ई. दौरान वृद्धि जनसंख्या में
वृद्धि दर

$$= \left(\frac{1991 \text{ की जनसंख्या} - 1981 \text{ की जनसंख्या}}{1981 \text{ की जनसंख्या}} \right) \times 100$$

$$= \left(\frac{958037705.25 - 750920245.398}{750920245.398} \right) \times 100$$

$$\text{वृद्धि} = 27.58\%$$

8 Q15.d

(उ०) 1951 ई. राष्ट्रीय आय = 9000 करोड़

1991 ई. राष्ट्रीय आय = 472600 करोड़

$$\text{अभिगत वृद्धि} = \left(\frac{472600 - 9000}{9000} \right) \times 100$$

$$\text{अभिगत वृद्धि} = 5151.11\%$$

6 Q15.e

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27796 - 6/4/2023 3:19:02 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

सं. सं.
पृष्ठ सं.
दिनांक
Date
Page
No.

प्रश्न संख्या
प्रश्न संख्या
प्रश्न संख्या
Enter only
question
number in
this
margin

वि. लो. से. आ.

7

BPSC

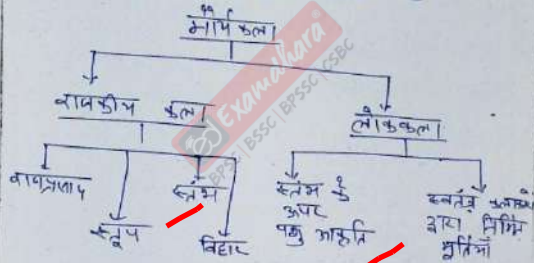
प्रश्न संख्या
प्रश्न संख्या
प्रश्न संख्या
Candidate
should not
write in this
margin

खण्ड - I

5.

कला मानव जीवन की अमूर्त विरासत होती है। मौर्यकाल के शासकों ने न सिर्फ पूर्ण भारतवर्ष का एकीकरण किया बल्कि साथ ही कला की भी प्रवर्धन पर ध्यान दिया। वैशाली में लेखे गए अशोक स्तूप तथा उपर्युक्त बाद प्रहारण स्तूप भी मौर्यकालीन कला अंशों की होती रही।

मौर्यकालीन कला की हमारे आगे में लंबे रास्ते देख सकते हैं -



1) वास्तवीय कला : ऐसी कला जिसे वास्तवीय प्रमाण प्राप्त हो उसे वास्तवीय कला के रूप में जाना जाता था। इसके अंतर्गत मौर्यकाल में वास्तुशास्त्र, स्तंभ, स्तूप तथा विहार का निर्माण हुआ।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस खंड में
केवल
प्रश्न संख्या
लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin

वि. लो. से. आ.

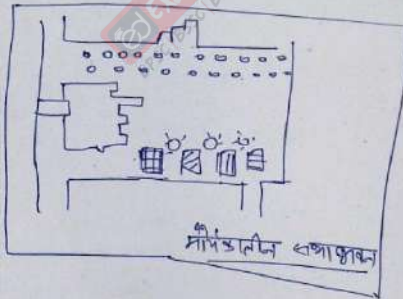
8

BPSC

इस खंड में
केवल
प्रश्न संख्या
लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin

राजप्राय :- मीर काशी राजप्राय का उद्घाटन
पारसीय दिवस मुहुरात में हुआ था। राजप्राय
है राजप्राय को निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दें -
- की ऊँचाई
- 69 फीट
- 69 फीट ऊँचाई 60 फीट ऊँचाई तथा
600 फीट चौड़ाई है।
- किंग की दीवारों पर तीन-तीन
में तीन पलकों के त्रिण खाली
स्थान

मीर काशी राजप्राय का उद्घाटन मीर काशी
में हुआ है। मीर काशी राजप्राय का उद्घाटन
का प्रारंभ मीर काशी राजप्राय का उद्घाटन
अंश है।



Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस सीटिंग में
उम्मीदवार को
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

उप सीटिंग में
बस केवल
एक प्रश्न
लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin.

वि. लो. से आ

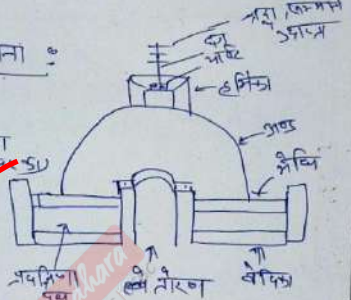
9

BPSC

इस सीटिंग में
उम्मीदवार को
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

रूप :

रूप बौद्ध धर्मावलम्बितों के लिए
बुद्धों के रूप में होते थे। धर्म काल
में बहुत से रूप बनाये गए जिनमें बौद्धों
में अष्टाङ्ग के रूप बनवाये गए। रूप
उत्कर्ष हैं।

रूप की संरचना :निर्माण :- प्रवृत्त औरवैदिक :- बौद्धों के लिएमूर्ति :- धर्म रूपअष्ट :- अष्टाङ्गकार
आकृतिहमिसा :- बुद्धों के आराधना
की रचना के
वा।अष्ट :- धर्म के निर्माण के लिएरूप :- धर्मों बौद्ध धर्म के तीन शरीरों के लिए
तीन गुणों गुरु, अज्ञान, तथा
उपाय।रूप :-

मूर्तिरूप में रूपों का निर्माण बड़ी
संख्या में बुद्धों की निम्नलिखित
विशेषताएं होती थी -

 **Examdhara®**

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस दस्तावेज में केवल प्रश्न संख्याएं लिखें।
Enter only question number in this margin.

विज्ञान से संबंधित

10

BPSC

- अ) प्राचीन काल के बारे में बताएं।
 - अ) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - ब) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - ग) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - घ) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।



- अ) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - ब) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - ग) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - घ) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।

प्रश्न 10 :-
 प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - अ) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - ब) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - ग) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।
 - घ) प्राचीन काल में भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ था।

- 1) स्वतंत्र कलाकृतियों द्वारा निर्मित धर्मग्रंथों :
 - अ) स्वतंत्र कलाकृतियों द्वारा निर्मित धर्मग्रंथों :
 - ब) स्वतंत्र कलाकृतियों द्वारा निर्मित धर्मग्रंथों :
 - ग) स्वतंत्र कलाकृतियों द्वारा निर्मित धर्मग्रंथों :
 - घ) स्वतंत्र कलाकृतियों द्वारा निर्मित धर्मग्रंथों :

अ) - दीपावली (पूजा)	बौद्ध धर्म (प्राचीन)
प्रतिष्ठा - अनामिका (प्राचीन)	बौद्ध धर्म (प्राचीन)

Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

आपको यह
संकेत ध्यान
में रखना
होगा।
अधिकतम
2000 शब्दों
में उत्तर
लिखें।

आपको यह
संकेत ध्यान
में रखना
होगा।
अधिकतम
2000 शब्दों
में उत्तर
लिखें।

वि. लो. से आ

11

BPSC

आपको यह
संकेत ध्यान
में रखना
होगा।
अधिकतम
2000 शब्दों
में उत्तर
लिखें।

ii) स्तंभों के ऊपर पठ्यु आकृति:-

इस व्यापक के अंतर्गत स्तंभों
का निर्माण हुआ जिस पर पठ्युओं की आकृति
होती थी। इन पठ्यु आकृतियों में धान, गन्ना,
चिंदा, धान, धान, धान तथा धान की
आकृतियाँ होती थी।

इसी प्रकार की आकृति का उपयोग है।

मौर्यकाल के व्यापक आज
भी मौजूद हैं जो इस कला की विशेषता को
परिलक्षित करते हैं। मौर्यकाल में पठ्युओं का
उपयोग होता रहा। इस कला की
कला काय में आज भी धान, धान, धान के लिए
प्रयोग होता रहा। मौर्यकाल की कला का
अनुकरण का विशेषता में भी धान, धान तथा
विराटों का निर्माण हुआ।

✓ 10 2.5

✓ 8 2.5

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Enter one question number in this margin.



महात्मा गांधी, प्रवाहलक्ष्मी नंदन,
पट्टाभि विद्यालया गांधी नारायण



इस स्थिति में
उम्मीदवार को
य लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

प्रेम में डाल दिया गया।
 उसके विरोध में देश भर में
 दंगे हुए तथा लूट-पूट तथा आगजनी की
 गई।
 देश भर में लगातार कर्फ्यू
 लागू किया गया। उदाहरण के लिए
बलिया में पिन्ना पॉइंट के नेहरू में
कलान में बर्ग की पहचान के नेहरू में

- द्वितीय
 ऑपरेटिव को नेहरू द्वितीय अफ्रीका
 के नेताओं के द्वारा किया गया। विशेष
 उदाहरण नारायण, राममनोहर लोहिया, अन्ना
 अम्बेडकर आदि अनेक प्रमुख रहे।
 उदाहरण नारायण के नेहरू में
 विशाल में आजाद दस्ता का निर्माण किया
 गया। यह वह है अफ्रीका के आदि सारि
 प्रमुख।
 मुंबई में 'हेवराय डैन' तथा
 'मुंबई न्यूज' चलाने गए।
 इस ऑपरेटिव में महिलाओं
 को भी अनुत्तम भूमिका रही।



For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27708 - 5/29/2023 4:36:31 PM

दि० लो० से० आ०

14

BPSC

- गांधी देवी - धरम - धर्म निराला

तथा नाथ पिता -

इतिहास हजारा अर्थ है- वास्तविक देवी ने भी हजारीनाथ में
जन्म लिया था।

यह एक प्रस्ताव है नया

आंदोलन नहीं। 1930 ई. के सविनय अवज्ञा आंदोलन की
विफलता के बाद ही ही तैयार हो
गई थी। इसलिए अंतरा अर्थ आंदोलन का
रूप लिया।

कारण यह कि वह आंदोलन के काल में निम्नलिखित
कारण थे -

i) द्वितीय विश्व युद्ध ने देश को जागीरदार

और भी और भी देगा है बिना किसी
और भी और भी अनुमति के उद्धृत है
और भी पिता, इसके बाद ही देगा है और भी
अंतरा अर्थ का जन्म दिया।

ii) 1930 ई. के बीच भी आंदोलन नहीं हुआ था :

सविनय अवज्ञा आंदोलन के
बाद भी ही ही देगा है और भी और भी
नहीं हुआ था।



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27708 - 5/29/2023 4:36:31 PM

उपरी लिखी
प्रश्नों के उत्तर
केवल
Candidate
should not
write in this
margin.

उपरी लिखी
प्रश्नों के उत्तर
केवल
Candidate
should not
write in this
margin.

वि. लो. से. आ.

15

BPSC

उपरी लिखी
प्रश्नों के उत्तर
केवल
Candidate
should not
write in this
margin.

(iii) महंगाई में बढ़ोतरी :-

द्वितीय विभव युद्ध के
कारण खाद्य तत्वा अन्तर्गत् वस्तुओं की कीमतें
आपमान हु रहीं थी ।

(iv) क्रिष्ण मिश्रण तथा अण्डित प्रस्ताव की
विफलता :-

देश के पूर्ण बनवि के लिए
अंग्रेजों द्वारा क्रिष्ण मिश्रण तथा अण्डित
प्रस्ताव लाना गया लेकिन दोनों विफल
साबित हुये ।

समग्रतः हम कह सकते हैं
कि भारत की औद्योगिक नई देश के सभी
क्षेत्रों की लागत कम । नए औद्योगिक के
बाद देश की आजादी बर औद्योगिक बन
कर रह गयी । जब आजादी सुनिश्चित थी तब
हमें हमारे देश के औद्योगिक था । नए औद्योगिक
नई अंग्रेजों के ही हस्त में थी ।

✓ 10 Q.4

✓ 8 Q.4

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27708 - 5/29/2023 4:36:31 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

BL

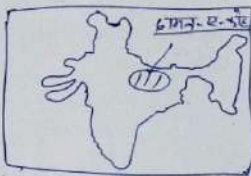
वि० लो० से० आ०

16

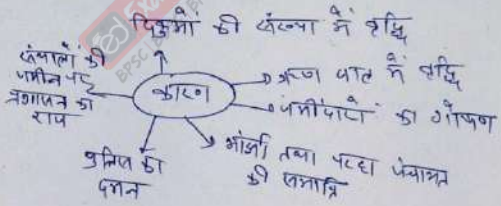
B P S C

(क) दीर्घाल विप्रादः

संक्षेप विमोह आंग्रेजी के खिलफ
खिन्न-फट्टे के नैराश में गुन गुन हुआ थु
खगल विमोह था। भण्डपुर है ब्रह्म
नाथमहल की पहाड़ियों तक फैला मीन पिपे
'दामन-ए-मोह' के नाम से पचा जाता
था, वीर आंग्रेजीन का मुख्य केंद्र था।



प्रश्न :- $\frac{1}{x^2} + \frac{1}{x^3} + \frac{1}{x^4} + \dots$ का एक निम्नलिखित



कृषि आयोग ने संघर्षों में
 सिद्ध-कानून-मार्ग तथा गाँव के विकास में
 लगभग 10,000 संघर्ष ~~कृत~~ ~~कृत~~ ~~कृत~~
 'भगवतीडीह' गाँव में एकत्र डाल तथा अंग्रेजी



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

उप निर्देश
उम्मीदवार
नंबर
Candidate
should
write in
margin

उप निर्देश
प्रश्न नंबर
Enter only
question
number in
this
margin

वि. लो. से आ

17

BPSC

उप निर्देश नं
उम्मीदवार को
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin

2. विरूद्ध खगोल विज्ञान का आविष्कार
किया।

हालांकि खगोल विज्ञान अपने
इतिहास में खगोल में नहीं है। खगोल
भी इस आविष्कार की शक्ति से अंग्रेजी
का अपनी नीतियों में परिवर्तन करने पर
नियंत्रण कर दिया।

खगोल विज्ञान के परिणामस्वरूप

- खगोल परमाणु नाम से एक नया पद
बनाया गया।

- इस क्षेत्र के लिए एक अंतराष्ट्रीय अकादमी
की स्थापना की गयी।

- 'परमाणु परमाणु तथा मौलिक कण' की एक
कुल नकल कर दिया गया।

कुल मिलाकर एक एक व्यक्ति

✓ 1 Q6.a खगोल विज्ञान परमाणुओं की
अनेक अवस्थाओं की दृष्टि से अंग्रेजी

✓ 10 Q6.a खगोल विज्ञान। खगोल आविष्कार की शक्ति
के आविष्कारों उदाहरण 'खगोल विज्ञान' का
गोपनीयता किया तथा 'परमाणु' में
शक्ति का नव आविष्कार किया।

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27717 - 5/26/2023 1:46:36 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

उप-प्रश्न
सं. 18
20-4-2018
गुणों
Enter only
question
number in
this
margin

कि लो से आ

18

BPSC

उप-प्रश्न सं.
सं. 18
20-4-2018
Candidate
should not
write in this
margin

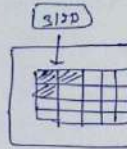
(ख) चम्पाण चलाया :-

1918 ई. में चम्पाण के नेता गजकुमार गुजर की कार्यवाही की स्वीकार कर सरकारा मांगी चम्पाण के पड़ोस तथा विधानों की परामर्शों की परामर्श तथा उनके लिए सरकार किया कि कि उनका पहला बमाल बलागद बिहारी हुआ।

आ - इस आंदोलन का मूल कारण

i) नील कठिया व्यवस्था :-

इस व्यवस्था के अनुसार विधानों की शक्ति के द्वारा विधान पर नील की खेती करनी पड़ती थी।



नील की खेती करने के विधानों की निम्नलिखित परामर्शों का जामना करना पड़ता था -

- नील खेत की खेती भाग्य शक्ति कर हो पाती थी।
- जलाल पड़ में व्यवधान व्यवधान थी।
- विधानों की इस जलाल की उगाने में जामना भेदना करनी पड़ती थी।

ii) औपनिवेशिक नीतियां :-

औपनिवेशिक नीतियों के द्वारा हमारे का राष्ट्रियकरण किया था रहा था।

Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

उप कृपया
वर्तमान
प्रश्न संख्या
गोपनी
Enter only
question
number in
this
margin

वि. लो. से. आ. [19] BPSC

उप कृपया
उपरोक्त
प्रश्न संख्या
गोपनी
Candidate
should not
write in this
margin

इसके विचारों की जाती मुक्तता उठाना पड़ता था ।

(ii) जमींदारों काट गीरों : यह की व्यवस्था जलपंत कर्माट भी । जिसके लिए जमींदारों को 'किल्ला' का गीर बन दिया जाता था ।

महात्मा गांधी के आंदोलन के परिणामस्वरूप 'पंचायत राज' की प्रथा का जन्म हुआ । यह प्रथा है भादवादि ।

- किसानों की कृषि के बंधन को
- 25% की बापसी को
- तीन कृषि श्रमिकों की प्रथा को

इस आंदोलन के महात्मा गांधी की भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में पराजित कर दिया गया । उन्हें जेल भी भेजा गया ।

इस आंदोलन के फल में सरकार की शक्ति के अभाव में हुआ । यह आंदोलन गांधी के लिए प्रेरणा स्वरूप बना दिया । यह आंदोलन आप भी जानेंगे है ।

यहोही आप भी 40% हिस्सा आगस्त्या करेंगे है ।



For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27717 - 5/26/2023 1:46:36 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

वि० लो० से० आ०

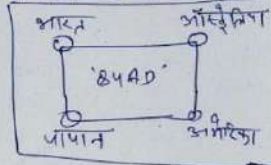
20

BPSC

इस लॉक में
संकेत
प्रश्न संख्या
लिखें।
Enter only
question
number in
this
margin.

7.

'ब्राड' भारत, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका
तथा जापान के संयुक्त रूप से आयोजित,
०आपाटि तथा विश्व पर्यावरण के दिवस मंगला
जमा करवाए हैं।



यह कार्यक्रम की वर्षगांठ अक्टूबर 2007
में पुनाजी के दौरान घोषणा करने के
लिए हुई थी। तदुपरांत 2009 में यह
करवाए देगा की घोषणा हुई।

2009 में '84AD' अपने परमाणु
क्षेत्र में शामिल आया। यह 84 करवा के
निम्नलिखित उद्देश्य हैं:-

i) विश्व-व्यापक क्षेत्र में आपाटि:-

विश्व के 5000 आपाटि की वस्तु बनता
है इसलिए यह क्षेत्र में आपाटि की
अधीन योजनाओं आपाटि हैं।

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27711 - 5/28/2023 2:40:13 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

1. न
2. न
3. न
4. न
5. न
6. न
7. न
8. न
9. न
10. न

उपरोक्त
प्रश्नों के
सही उत्तर
लिखिए
अन्यथा
प्रश्नार्थक
नहीं माना
जाएगा

वि. लो. से आ

21

BPSC

उपरोक्त
प्रश्नों के
सही उत्तर
लिखिए
अन्यथा
प्रश्नार्थक
नहीं माना
जाएगा

ii) वसु श्रेष्ठ के निवेदन :-

मीने के ऊपर पात वसु श्रेष्ठ के पंजी की
वपुश के पंजी के द्वारा से बसाने के लिए
का निवेदन किया गया है

iii) चीन का प्रतिस्ठुलन :-

चीन - लो. अमेरिका
के बीच प्रतिस्ठुलन चल है फिनी में
✓ गयी है। चीन वसु श्रेष्ठ के अखिण्ड ओ
पले की नीति है। अपना राय है। अब
बहुत का उद्देश्य का वसु श्रेष्ठ के लिए
संक्रमण के चीन का उद्देश्य है।

iv) वैश्विक अभ्युदय की परीक्षा लाना :-

क. 2000-19 महाभारत, वैश्विक
महाभारत, उच्च उद्देश्य नि. लो. कय - उद्देश्य
उद्देश्य के माय की विचारिता के निपटने के
लिए यह संक्रमण आता है।

भारत के लिए वेपुश
का महत्व अभ्युदय, राजनीतिक, रणनीतिक
लाभार्थक लो. के अन्त में है।

v) राष्ट्रीय श्रम की नीति :-

वैश्विक का कार्य
दिव्य-भारत का श्रेष्ठ है जो कि भारत

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27711 - 5/28/2023 2:40:13 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस प्रश्न का
संकेत
अंक
Enter only
question
number in
this
margin

बि. लो. से आ.

22

BPSC

ई पड़ोस में है। भारत की अपनी
मैंग्रोव फुल मैरि, तथा 'स्प्रेड ईस्ट' पॉलिपी
ई लिए एक स्वाभाविक मैन्य प्रकृत
कम है।

iii) जलवायु में वृद्धि

एक वल मैन में भारत
का 2000 km का अन्त्य आर्थिक क्षेत्र
आता है जिसका कारण उष्ण की वल
है।

iv) चीन का संतुलन

चीन ई लान भारत
का सीमा विवाद रोकना बना रहता है।
ई मैन भारत मैन क्षेत्र ई रोकना
ई शाय मिलकर चीन पर इनब
बना लकता है।

v) अर्थव्यवस्था का विकास

भारत की आर्थिक
भारत ई लिए एक मैन मैन
है तथा ई इलियन की अर्थव्यवस्था
बनने में लक्ष्य है।

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27711 - 5/28/2023 2:40:13 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

B P S C

आरा की 'अुरनिरूपैत'
 तया वेंदुचैव कुटुम्बकतः च पटैपण
 की आयु बिश्व की ज्जाया पराप्त है
 सिद्धांत के अर्थ है जीवन बिश्व
 छात्रों में 'न्याय' के १ देशों के प्राय
 मिलकर बिश्व छात्रों का पाठ पढ़ा
 करता है

अनुसूचित जाति

✓ आपत की लकड़ें बड़ा व्यापार हैं।
 आपत का अर्थ है तब आपत की लकड़ें बड़ा व्यापार हैं।
आपत की लकड़ें बड़ा व्यापार हैं।
 आपत की लकड़ें बड़ा व्यापार हैं।
 आपत की लकड़ें बड़ा व्यापार हैं।
 आपत की लकड़ें बड़ा व्यापार हैं।

10. उत्तर : लोहा पुष्पा, शक्ति, जलवायु परिवर्तन
के प्रदूषण पर कुल बाहरी इन्हें की
अतिरिक्तता

बेबाद विजय हिन-भोगान में आयोभवला
के लज्जाम प्रलय में विद्या का
प्रगल्भ भोगान



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

उपरोक्त
में से
एक को
चुनें।
Enter only
question
number in
this
margin.

बि. लो. से. आ.

24

BPSC

8.

द्वेष्टा में से है। भक्ति के लिए
का एक नयी योजना लार्जी गई है। पिछले
'अग्निपथ योजना' का नाम है। यह
योजना के निम्नलिखित प्रावधान हैं:-

- योद्धा में भक्ति के लिए युवाओं जिसकी
उम्र 17 वर्ष - 21 वर्ष है।
- अवसर के अनुसार युवाओं में छा. भवने का
प्रशिक्षण तथा 3.5 वर्ष का कार्यकाल।
- 1 वर्ष प्रशिक्षण आग्निवीरों में है तथा 2 वर्ष
रिहायश में है। पहला वर्ष तथा 10-11
वर्ष का प्रशिक्षण के लिए युवा
प्राप्त।
- रिहायश में के दौरान उन्हें 12वीं के
समकक्ष प्रमाण पर तथा लगभग
11 लाख रुपये प्रति प्राप्ति।
- असाध्य व्यय तथा LAPF में युवाओं
की नौकरी में 10-11 का आश्वासन
दिया जायेगा। यह आग्निवीर के रूप
में कार्य कर चुके हैं।



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27712 - 4/20/2023 12:09:02 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

वि० लो० से आ०

25

BPSC

राज्य निर्वाचन में
उम्मीदवार को
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin.

✓ 6 2.8

आलोचना की देगी मैं नहीं
हूँ। इस तथ्य के माफ़
हूँ, ती इसी तथ्य को सुझान भी :-
लाभदायक :-

- बिना की भुवा त्रिभुज के
आप 23 वर्ष हैं बिना देगी की बिना
की भुवा आप का ही भुवा
- बिना की भुवा में नहीं :-
का कम भुवा आप के बिना
की भुवा है।
- बिना में भुवा का भुवा :-
भुवा की भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना
- बिना का भुवा :-
भुवा का भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना

✓ 5 2.8

भुवा का भुवा :-
भुवा का भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना

भुवा का भुवा :-
भुवा का भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना
की भुवा आप के बिना



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdharma.com

ID: 27712 - 4/20/2023 12:09:02 PM

प्रश्न संख्या
प्रश्न संख्या
प्रश्न संख्या
Enter only
question
number in
the
margin

वि. लो. से. आ.

26

BPSC

(ii) जन उद्योगों को आने-जाने की सुविधा
लुभावन किया जा सकता है।

(iii) वैदेशिक योग्य उद्योगों को भी
जंगल से लुभावन है। निम्नलिखित
में से जंगल से योग्य उद्योगों को पहचानें।

(iv) 85-100 की सीमा में आने वाले जंगल
लुभावन तथा अलुभावन की
व्यवस्थाएं।

इस विषय में निम्नलिखित के लिए प्रभाव

- 12 लाख का प्रभाव
- उद्योग करने के लिए प्रभाव में शामिल
- आर्थिक लाभदायक तथा CAPD में 101-
का प्रभाव
- जंगल पट्टा करने के लिए प्रभाव में
लुभावन प्रभाव पर तथा निम्नलिखित

कुल जिला के क्षेत्र में
अनिपक्ष नीति है कि क्षेत्रों को
निम्नलिखित क्षेत्रों तथा क्षेत्रों को क्षेत्रों
को लुभावन लाना है। इस नीति
में कुछ उद्योग हैं जिन्हें इस क्षेत्र में
पारित है।

✓ 7 2.8

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27712 - 4/20/2023 12:09:02 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

27

Candidates should not write in this margin.

Enter only
question
number in
this
margin

10.

१ धर्म के लिये तब्य। खल के लिये
 क प्रिय लगभग उ महीना के अन्तर्गत
 जाति है प्रिय देव तथा विश्व के
 बहुत बड़ी धर्म के आगमना करने पर
 कहा है

9
 सोवियत संघ का हिस्सा नया। पक्ष
 सोवियत संघ का विभाजन हुआ। 1
 देशों ने तब किया कि इस संघ के
 और भी देश जोड़ें के NATO
 नाम अर्थात् North Atlantic Treaty
 Organisation के सदस्य नहीं बनना

✓ 6 Q.10

2.10
 1. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 2. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 3. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 4. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 5. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 6. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 7. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 8. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 9. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।
 10. अपराध का अर्थ है जिससे समाज को नुकसान हो सके।

$\frac{2}{3} \times \frac{3}{4} = \frac{2 \times 3}{3 \times 4} = \frac{2}{4} = \frac{1}{2}$



उप. तहसील
स. कोट
उप. कोट
नमूना
Enter only
question
number in
this
margin

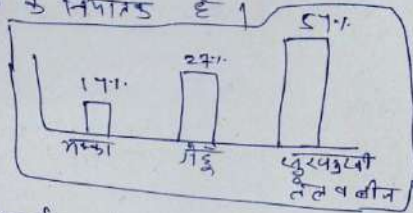
वि. लो. से आ

28

BPSC

i) कृषि का वॉकर:-

कृषि तथा न्यून वित्त
लक्ष्य है भस्मा, गीह, उर्वरक तथा धुरपुखी
के तैल के निर्माण है



उपरोक्त आंकड़ा दर्शाता है कि वह
प्रश्न है कि कितना बड़ा स्वायत्त वॉकर रखा
है जल्दा है

ii) तैल की आपूर्ति:-

तैल की आपूर्ति पिछले पाँच
वर्षों में 5 गुनी बढ़ी है तथा 1.5 प्रति
वॉकर बढ़ गई है पिछले 5 वर्षों का
आयतन बिल 10 करोड़ रु. बढ़ गया
है

iii) उर्वरक:-

खेल - निदेशीय उर्वरक का
15% तथा पौष्टिक का 10% निर्माण

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

'वि' लो० से आ०

29

BPSC

29 नवंबर से
उपरोक्त सूची
न लिखें।
Candidate
should not
write in this
margin

करता है।

(ii) एक व्यापारी की कमी

एक निम्नलिखित लोहा रेलवे स्टेशन पर
या अलावा एक रेलगाड़ी को छोड़
है। Automobile उद्योग की।

(iv) अवसंख्यता :

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार

अवसंख्यता की प्रति 100 है।

(v) विकास के क्षेत्र का विवरण :

वर्ष 2001 के अंत में

वैश्विक विकास के क्षेत्र में शामिल है।

आर्थिक क्षेत्र :

- भारत की आर्थिक क्षेत्र वर्ष 2001 के विकास के क्षेत्र में प्रभाव करना चाहिए।
- अर्थी क्षेत्र, खाद्य क्षेत्र, भूतलमिति की क्षेत्र पर की जाने के लिए क्षेत्रीय राष्ट्र क्षेत्र प्रभाव का प्रभाव है।

समाप्ति: हम यह जानते हैं कि

किस-किस क्षेत्र की जल्द ही विकास क्षेत्रों में
के लिए क्षेत्रीय विवरण की एक साथ आना
होगा तथा आर्थिक क्षेत्र पर चलना होगा।

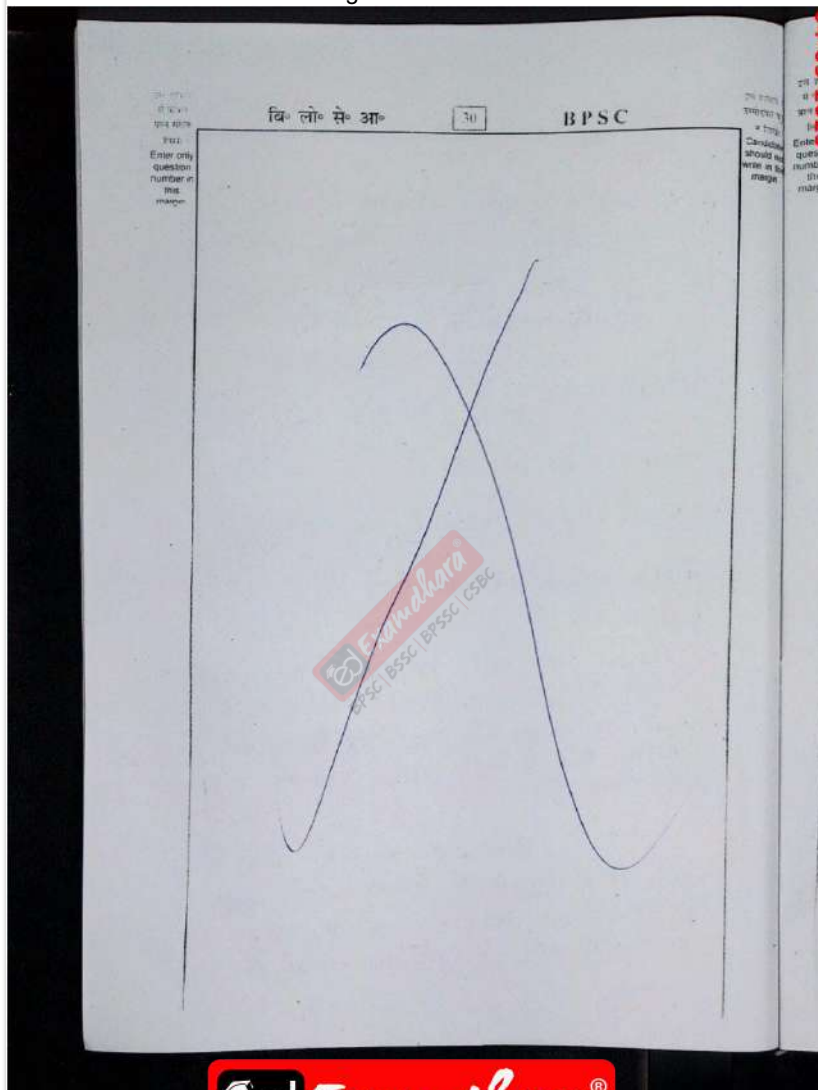
✓ 9 2.10



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

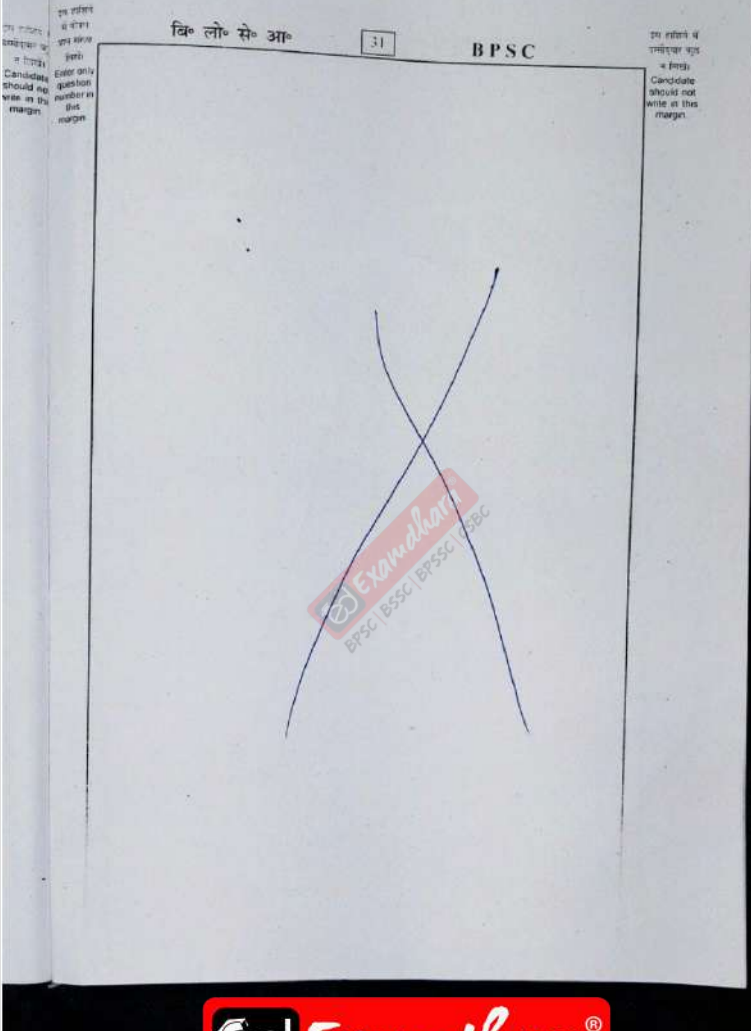
ID: 27714 - 5/24/2023 11:13:00 AM



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

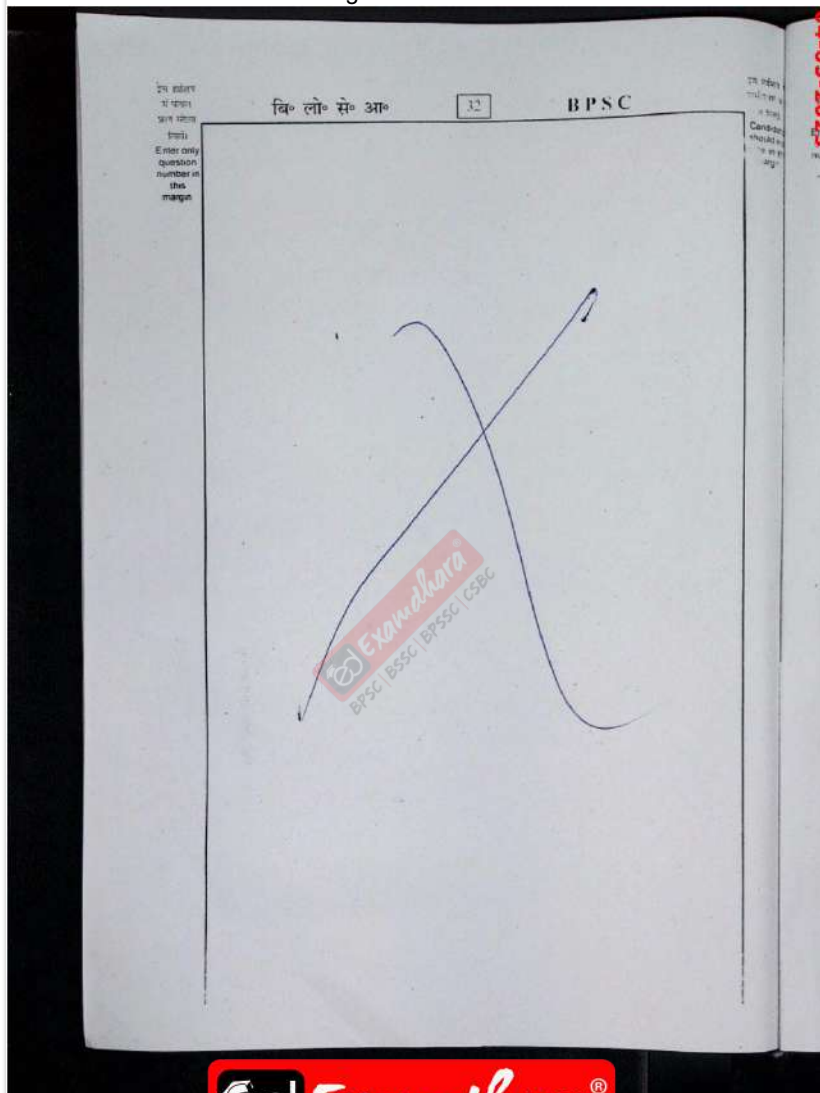
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com



For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

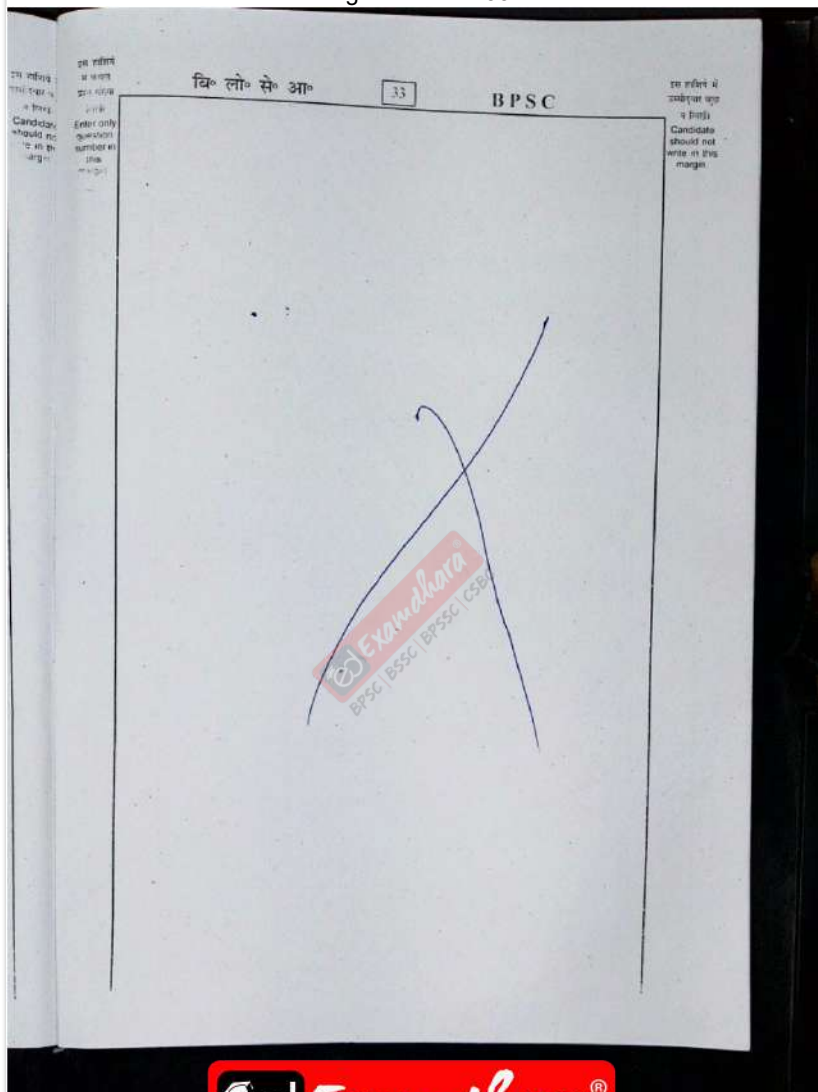
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I



Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

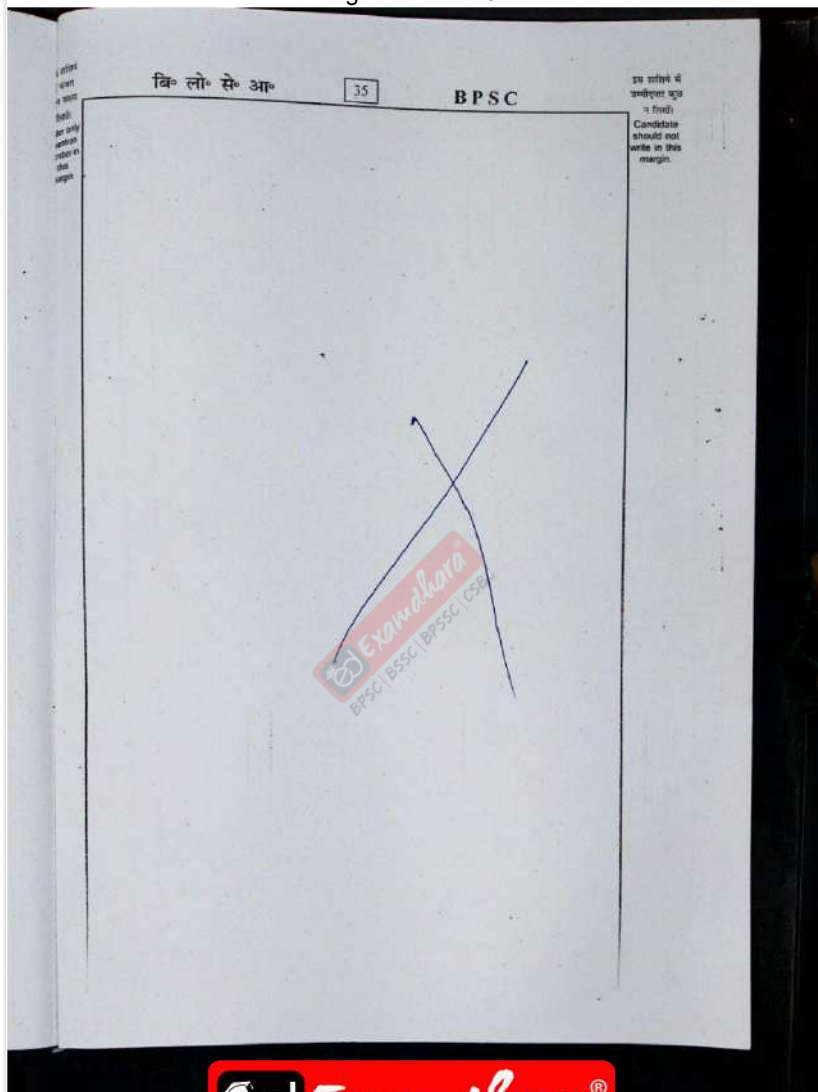
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

a. $\frac{1}{2}$ of the
 b. $\frac{1}{4}$ of the
 c. $\frac{1}{8}$ of the
 d. $\frac{1}{16}$ of the
 e. $\frac{1}{32}$ of the
 f. $\frac{1}{64}$ of the
 g. $\frac{1}{128}$ of the
 h. $\frac{1}{256}$ of the
 i. $\frac{1}{512}$ of the
 j. $\frac{1}{1024}$ of the
 k. $\frac{1}{2048}$ of the
 l. $\frac{1}{4096}$ of the
 m. $\frac{1}{8192}$ of the
 n. $\frac{1}{16384}$ of the
 o. $\frac{1}{32768}$ of the
 p. $\frac{1}{65536}$ of the
 q. $\frac{1}{131072}$ of the
 r. $\frac{1}{262144}$ of the
 s. $\frac{1}{524288}$ of the
 t. $\frac{1}{1048576}$ of the
 u. $\frac{1}{2097152}$ of the
 v. $\frac{1}{4194304}$ of the
 w. $\frac{1}{8388608}$ of the
 x. $\frac{1}{16777216}$ of the
 y. $\frac{1}{33554432}$ of the
 z. $\frac{1}{67108864}$ of the
 aa. $\frac{1}{134217728}$ of the
 ab. $\frac{1}{268435456}$ of the
 ac. $\frac{1}{536870912}$ of the
 ad. $\frac{1}{1073741824}$ of the
 ae. $\frac{1}{2147483648}$ of the
 af. $\frac{1}{4294967296}$ of the
 ag. $\frac{1}{8589934592}$ of the
 ah. $\frac{1}{17179869184}$ of the
 ai. $\frac{1}{34359738368}$ of the
 aj. $\frac{1}{68719476736}$ of the
 ak. $\frac{1}{137438953472}$ of the
 al. $\frac{1}{274877906944}$ of the
 am. $\frac{1}{549755813888}$ of the
 an. $\frac{1}{1099511627776}$ of the
 ao. $\frac{1}{2199023255552}$ of the
 ap. $\frac{1}{4398046511104}$ of the
 aq. $\frac{1}{8796093022208}$ of the
 ar. $\frac{1}{17592186044416}$ of the
 as. $\frac{1}{35184372088832}$ of the
 at. $\frac{1}{70368744177664}$ of the
 au. $\frac{1}{140737488355328}$ of the
 av. $\frac{1}{281474976710656}$ of the
 aw. $\frac{1}{562949953421312}$ of the
 ax. $\frac{1}{1125899906842624}$ of the
 ay. $\frac{1}{2251799813685248}$ of the
 az. $\frac{1}{4503599627370496}$ of the
 ba. $\frac{1}{9007199254740992}$ of the
 bb. $\frac{1}{18014398509481984}$ of the
 bc. $\frac{1}{36028797018963968}$ of the
 bd. $\frac{1}{72057594037927936}$ of the
 be. $\frac{1}{144115188075855872}$ of the
 bf. $\frac{1}{288230376151711744}$ of the
 bg. $\frac{1}{576460752303423488}$ of the
 bh. $\frac{1}{1152921504606846976}$ of the
 bi. $\frac{1}{2305843009213693952}$ of the
 bj. $\frac{1}{4611686018427387904}$ of the
 bk. $\frac{1}{9223372036854775808}$ of the
 bl. $\frac{1}{18446744073709551616}$ of the
 bm. $\frac{1}{36893488147419103232}$ of the
 bn. $\frac{1}{73786976294838206464}$ of the
 bo. $\frac{1}{147573952589676412928}$ of the
 bp. $\frac{1}{295147905179352825856}$ of the
 bq. $\frac{1}{590295810358705651712}$ of the
 br. $\frac{1}{1180591620717411303424}$ of the
 bs. $\frac{1}{2361183241434822606848}$ of the
 bt. $\frac{1}{4722366482869645213696}$ of the
 bu. $\frac{1}{9444732965739290427392}$ of the
 bv. $\frac{1}{18889465931478580854784}$ of the
 bw. $\frac{1}{37778931862957161709568}$ of the
 bx. $\frac{1}{75557863725914323419136}$ of the
 by. $\frac{1}{151115727451828646838272}$ of the
 bz. $\frac{1}{302231454903657293676544}$ of the
 ca. $\frac{1}{604462909807314587353088}$ of the
 cb. $\frac{1}{1208925819614629174706176}$ of the
 cc. $\frac{1}{2417851639229258349412352}$ of the
 cd. $\frac{1}{4835703278458516698824704}$ of the
 ce. $\frac{1}{9671406556917033397649408}$ of the
 cf. $\frac{1}{19342813113834066795298816}$ of the
 cg. $\frac{1}{38685626227668133590597632}$ of the
 ch. $\frac{1}{77371252455336267181195264}$ of the
 ci. $\frac{1}{154742504910672534362390528}$ of the
 cj. $\frac{1}{309485009821345068724781056}$ of the
 ck. $\frac{1}{618970019642690137449562112}$ of the
 cl. $\frac{1}{1237940039285380274899124224}$ of the
 cm. $\frac{1}{2475880078570760549798248448}$ of the
 cn. $\frac{1}{4951760157141521099596496896}$ of the
 co. $\frac{1}{9903520314283042199192993792}$ of the
 cp. $\frac{1}{19807040628566084398385987584}$ of the
 cq. $\frac{1}{39614081257132168796771975168}$ of the
 cr. $\frac{1}{79228162514264337593543950336}$ of the
 cs. $\frac{1}{158456325028528675187087900672}$ of the
 ct. $\frac{1}{316912650057057350374175801344}$ of the
 cu. $\frac{1}{633825300114114700748351602688}$ of the
 cv. $\frac{1}{1267650600228229401496703205376}$ of the
 cw. $\frac{1}{2535301200456458802993406410752}$ of the
 cx. $\frac{1}{5070602400912917605986812821504}$ of the
 cy. $\frac{1}{10141204801825835211973625643008}$ of the
 cz. $\frac{1}{20282409603651670423947251286016}$ of the
 da. $\frac{1}{40564819207303340847894502572032}$ of the
 db. $\frac{1}{81129638414606681695789005144064}$ of the
 dc. $\frac{1}{162259276829213363391578010288128}$ of the
 dd. $\frac{1}{324518553658426726783156020576256}$ of the
 de. $\frac{1}{649037107316853453566312041152512}$ of the
 df. $\frac{1}{1298074214633706907132624082305024}$ of the
 dg. $\frac{1}{2596148429267413814265248164610048}$ of the
 dh. $\frac{1}{5192296858534827628530496329220096}$ of the
 di. $\frac{1}{10384593717069655257060992658440192}$ of the
 dj. $\frac{1}{20769187434139310514121985316880384}$ of the
 dk. $\frac{1$



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

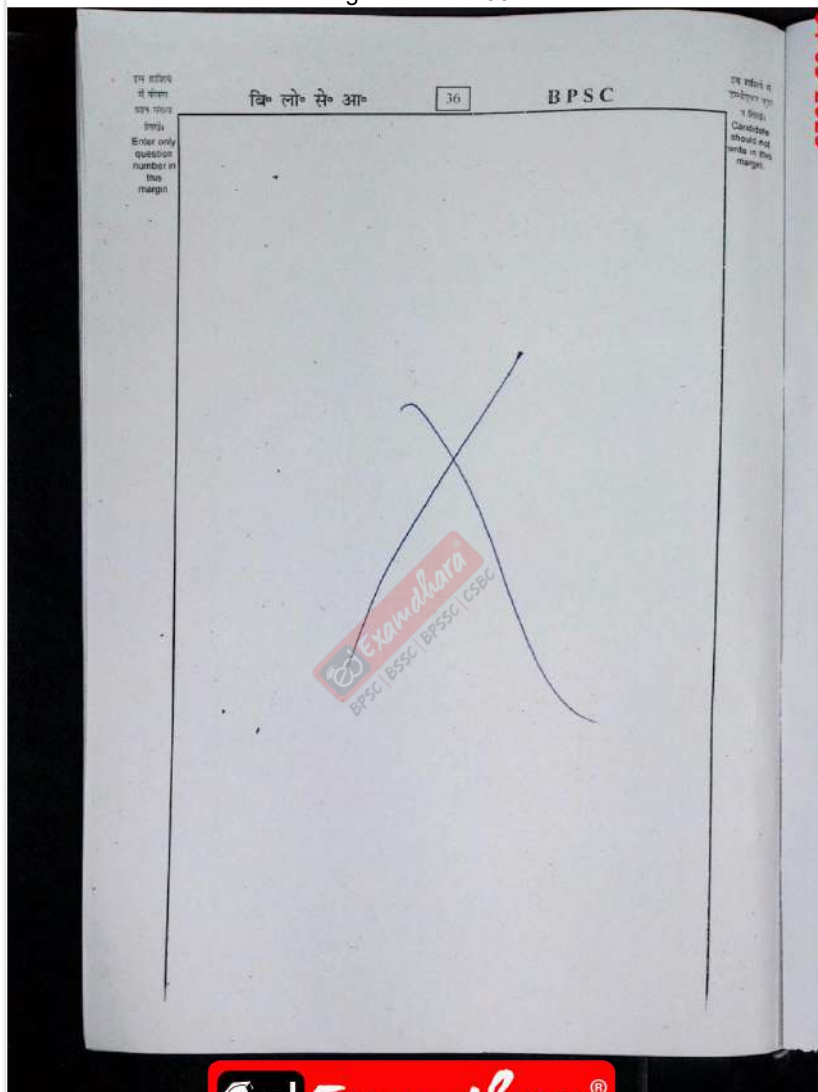
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com



BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

विषय वृ
का क्रमांक
विषय
अंक
प्रश्न
अंक
प्रश्न

बि० लो० से० आ०

BPSC

इस पृष्ठ पर नहीं लिखें

DO NOT WRITE ON THIS PAGE

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

 Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com